प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

गाजर घास जागरूकता एवं उन्मूलन कार्यक्रम का द्वितीय दिवस

पंतनगर। 17 अगस्त 2022। विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित खरपतवार नियंत्रण परियोजना के अर्न्तगत कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा गाजर घास जागरूकता एवं उन्मूलन कार्यक्रम विश्वविद्यालय के व्यावहारिक फसलोत्पादन केन्द्र पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 30 विद्यार्थियों, 10 शिक्षकगण, परियोजना के 20 अधिकारी एवं कर्मचारी तथा 40 कृषि श्रमिक उपस्थित थे। सभा का संचालन वरिष्ठ शोध अधिकारी, डा. एस.पी. सिंह ने किया। सर्वप्रथम संयुक्त निदेशक शोध, डा. सुभाष चंद्रा ने उपस्थित विद्यार्थियों से उनके व्यावहारिक फसलोत्पादन केन्द्र को गाजर घास से मुक्त करने की अपील की। साथ ही उपस्थित जनसमुदाय से गाजर घास के प्रति जागरूकता लाने तथा उसके उन्मूलन के बारे में जानकारी दी। परियोजना के वरिष्ठ शोध अधिकारी, डा. तेज प्रताप द्वारा गाजर घास के प्रबंधन की विभिन्न विधियों के बारे में बताया। परियोजना अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष, सस्य विज्ञान विभाग, डा. वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने अनुभवों का साझा करते हुए उपस्थित सभी व्यक्तियों से गाजर घास के प्रबंधन एवं उन्मूलन हेतु प्रतिबद्ध होने का सुझाव दिया, जिससे समाज द्वारा गाजर घास को जड़ से समाप्त किया जा सके तथा इसके दुष्प्रभाव से समाज को बचाया जा सके। सस्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ शोध अधिकारी, डा. गुरूवेन्द्र सिंह द्वारा उपस्थित समुदाय से पूर्व वक्ताओं द्वारा दिए गए सुझाव को अपनाकर गाजर घास के उन्मूलन के लिए प्रोत्साहित किया।

अंत में डा. एस.पी. सिंह द्वारा विशेष रूप से व्यवहारिक फसलोत्पादन केन्द्र के विद्यार्थियों को अपने मित्रों, सगे संबंधियों को गाजर घास से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु विभिन्न माध्यमों से जागृत करते हुए इस घास के उन्मूलन हेतु सुझाव दिया तथा सभा में उपस्थित व्यक्तियों को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों एवं कृषकों को जानकारी देते वैज्ञानिक।